भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान
ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research
मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)
फोन/Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स/Fax : 0121-288 8546
ईमेल/Email: director.iifsr@icar.gov.in

दिनांक– 01.09.2019

कृषि प्रणाली संस्थान में श्री गिरिराज सिंह, माननीय केन्द्रीय मंत्री व डा0 संजीव बालियान, माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री के दौरे का कार्यवृत्त

भारतीय कृषि प्रणाली संस्थान मोदीपुरम मेरठ में दिनांक 01.09.2019 को एक **कृषक –वैज्ञानिक संगोष्ठी** का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता श्री गिरिराज सिंह, माननीय केन्द्रीय मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी, भारत सरकार ने की। डा0 संजीव बालियान, माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी, भारत सरकार कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि रहे। संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के विभिन्न जिलों के 250 किसानों सहित कुल 360 लोगों ने भाग लिया। माननीय मंत्री जी ने अपने संबोधन में किसानों की आय दोगुना करने हेतु एक एकड़ में कृषि प्रणाली माडल पर किसानों व वैज्ञानिकों से अलग–अलग राय ली और चार तरह के सुझाव दिये, जैसे कि, फल व सब्जियों आधारित कृषि प्रणाली माडल; गन्ने के साथ सहफसली खेती; आलू के साथ रबी मक्के की सहफसली खेती एवं फसलों के साथ–साथ पशुपालन व खाद्य प्रसंस्करण का समावेश।

माननीय मंत्री जी ने किसानों के साथ खुलकर चर्चा की और उनकी आमदनी बढ़ाने हेतु एक एकड़ कृषि प्रणाली माडल जिसमें हरा चारा (मोरिंगा व हाइब्रिड नैपियर) +पशुपालन (गाय, भैंस, बकरी, मुर्गी इत्यादि), केंचुआ खाद उत्पादन इत्यादि अपनाने की सलाह दी जिसमें एक वर्ष में 2–3 लाख रूपये की शुद्ध आमदनी हो सकती है। इससे सड़क पर घूमने वाले बेसहारा पशुओं को भी संरक्षण मिलेगा। माननीय मंत्री महोदय ने इस तरह के हरा चारा व पशुपालन आधारित कृषि प्रणाली माडल को कृषि प्रणाली संस्थान व किसी एक कृषक के प्रक्षेत्र पर विकसित करवाने का आश्वासन दिया और इसके लिए लागत धनराशि मंत्री महोदय क्षेत्र के किसी एक किसान को अपने विभाग के माध्यम से उपलब्ध करवायेंगे। माननीय मंत्री जी ने किसानों से जल की बचत करने की सलाह दी और देश के घटते भूमिगत जल स्तर पर चिंता भी जताई। संगोष्ठी के दौरान वाराणसी, मेरठ व मुजफ्फरनगर के चार प्रगतिशील किसानों ने बागवानी व गन्ने के साथ सहफसली खेती वाले कृषि प्रणाली माडल के माध्यम से अपनी एक एकड़ प्रक्षेत्र से एक लाख रूपये सालाना के शुद्ध मुनाफे कमाने के तरीकों को सबके साथ साझा किया।

विशिष्ठ अतिथि डा. संजीव कुमार बालियान जी ने माननीय मंत्री जी एवं सभी अतिथियों एवं किसानों का स्वागत किया तथा क्षेत्र के किसानों से गन्ने आधारित कृषि प्रणाली में उन्नत पशुपालन तकनीकों के समावेश से प्रक्षेत्र की आय दोगुनी करने की सलाह दी।

इस अवसर पर डॉ. एस. भास्कर, सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने विविधीकृत एवं समेकित कृषि प्रणाली माडल के माध्यम से कृषकों की आय बढ़ाने हेतु कृषि प्रणाली संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

कृषि प्रणाली संस्थान के निदेशक डा0 आजाद सिंह पँवार ने माननीय मंत्री जी एवं सभी अतिथियों व किसानों का स्वागत किया। उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण में कृषि प्रणाली संस्थान द्वारा विकसित एवं किसानों की आय बढ़ाने वाले विभिन्न प्रकार के कृषि प्रणाली माडल व उनकी छमताओं के बारे में विस्तार से बताया। डा0 पँवार जी ने यह भी बताया कि गोवंश आधारित कृषि प्रणाली माडल से कृषकों की आय बढ़ाने के अलावा ऑवारा पशुओं के प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। निदेशक महोदय ने यह भी बताया कि कृषि प्रणाली संस्थान ने देश के किसानों की आय बढ़ाने हेतु 63 समेकित कृषि प्रणाली माडल विकसित किये हैं और कुछ कृषि प्रणाली माडल में सुधार भी किया है। इनमें से 45 समेकित कृषि प्रणाली माडल में किसानों की आय दोगुना करने की छमता है और 22 कृषि प्रणाली माडल पर्यावरण के अनुकूल पाये गये तथा उनसे पर्यावरण प्रदूषण या तो नहीं हुआ या वे प्रदूषण घटाने में मद्दगार रहे। इनके साथ–साथ कृषि प्रणाली संस्थान ने "स्वच्छता अभियान" को पूरे देश में स्थित अपने केन्द्रों के माध्यम से लाखों किसानों तक पहुॅचाया है।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आर. के. मित्तल जी ने फसलोत्पादन के साथ–साथ पशुपालन, मौनपालन, मुर्गीपालन व मशरूम उत्पादन युक्त समेकित कृषि प्रणाली को किसानो की आय बढ़ाने का तरीका बताया। केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ के निदेशक डा. एन. वी. पाटिल जी ने संस्थान द्वारा विकसित फ्रीजवाल नस्ल की दुधारू गाय, केंचुआ पालन व गोबर व मूत्र से बनाये गये मूल्यवर्धित उत्पादों से किसानों की आय बढ़ाने का तरीका बताया। डा. पाटिल ने माननीय मंत्री जी को गोबर से बनी गणेश जी की मूर्ति भेंट की और कम खर्च में मूर्ति बनाकर अधिक लाभ कमाने की जानकारी भी दी। केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान मेरठ के संयुक्त निदेशक डा. मनोज कुमार ने प्रसंस्करण हेतु विकसित उन्नतिशील किस्म के आलू उगाकर अधिक लाभ कमाने की जानकारी दी।

बाद में माननीय मंत्री जी व अन्य अतिथियों ने कृषि प्रणाली संस्थान द्वारा विकसित गोवंश पशुधन आधारित कृषि प्रणाली माडल; मछली एवं उद्यान आधारित कृषि प्रणाली माडल एवं जैविक खेती एवं शून्य लागत प्राकृतिक खेती यूनिट प्रयोगों का अवलोकन किया। इस

अवसर पर माननीय मंत्री जी एवं विशिष्ठ अतिथियों ने संस्थान के सिवाया स्थित प्रक्षेत्र पर बहुउद्देशीय पौधों का पौधारोपण भी किया।

इस कृषक वैज्ञानिक संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश के वाराणसी, मेरठ, मुजफ्फरनगर एवं उत्तराखण्ड के हरिद्वार जिले के लगभग 250 किसानों ने भाग लिया। इन सभी जिलों में सैकड़ों किसानों के यहाँ कृषि प्रणाली संस्थान द्वारा समेकित कृषि प्रणाली पर विभिन्न शोध परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है। संगोष्ठी के दौरान किसानों ने अपनी–अपनी कृषि प्रणाली की समसामयिक समस्याओं के बारे में चर्चा की एवं संबंधित विषय वस्तु विशेषज्ञ/वैज्ञानिकों द्वारा उनका समाधान भी पाया। डा. एम. पी. सिंह व डा. प्रेम सिंह ने किसानों को समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से आय, पोषण व पर्यावरण सुरक्षा तथा कृषि प्रणाली के विविधीकरण के गुर सिखाये। डा. दुष्यन्त मिश्र ने उन्नत बागवानी तकनीकी की जानकारी दी। डा. चन्द्रभानु ने किसानों को फसलों में समेकित नाशी जीव प्रबंधन के तरीकों को बताया। संगोष्ठी के दौरान सठेड़ी गॉव के देवांजली महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा कृषि प्रणाली संस्थान के सहयोग से बनाये गये मूल्य संबंधित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी। संगोष्ठी के उपरांत हरिद्वार जिले से आये हुए किसानों हेतु एस.सी. एस.पी एवं टी.एस. पी. परियोजनाओं के अंतर्गत प्रक्षेत्र उत्पादों के प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के ऊपर प्रशिक्षण भी दिया गया जिसका संचालन डा. अमित नाथ व डा. आर. पी. मिश्र ने किया। कार्यक्रम का संचालन डा0 पूनम कश्यप ने किया। डा0 एल. आर. मीणा जी कार्यक्रम के समन्वयक रहे।